

रंग विरंगी-चुनरिया ओड़ी ओड़ी मीसा महल ॥२॥
 रचतीं तुम्ही तो, विधि के विधान मे ॥२॥
 रंग विरंगी - - - - - रचतीं तुम्ही - - - - -

१) आई नौशत्री मकों ने तेरे, जगज्योत जगि ॥२॥
 सिंगारन को छोड़के मिया, सिंग सवारी आई ॥२॥
 हम हूँ सेवक, तुम भगवान मे ॥२॥
 रंग विरंगी - - - - - रचतीं तुम्ही - - - - -

२) बालक, भांग, मंजीरा बजे-और बजी राहनाई ॥२॥
 पंगराता की रात हमें मिया, चंद दिश खुशियां दई ॥२॥
 तुम हो, मकों की, करुणा निधान मे ॥२॥
 रंग विरंगी - - - - - रचतीं तुम्ही - - - - -

३) कोई प्यार से भजन सुनाता, कोई नाच दे ताली ॥२॥
 मेरे के आने से लाती है, दस दिन की दीवाली ॥२॥
 तेरे, हाथों में विधि का विधान मे ॥२॥
 रंग विरंगी - - - - - रचतीं तुम्ही - - - - -

४) दस दिन का उपवास मेरी मेरे-हंसी शक्ति देता ॥२॥
 आत्म आनंद में दस दिन बीते, दस सप्ताह हर लेता ॥२॥
 "श्री बाबा श्री" हूँ बालक नारायण मे ॥२॥
 रंग विरंगी - - - - - रचतीं तुम्ही - - - - -